नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

दर्शन शास्त्र

बी.ए. भाग–एक, दर्शन शास्त्र में दो प्रश्न पत्र (75 अंक) के होंगे

1. भारतीय दर्शन की रूपरेखा
2. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

प्रत्येक प्रश्न पत्र पांच इकाईयों में विभाजित है । प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा ।

बी.ए. भाग – एक

दर्शन शास्त्र

प्रथम – प्रश्न पत्र

भारतीय दर्शन की रूपरेखा

इकाई–1
1. भारतीय दर्शन – परिचय एवं मुख्य विशेषताएं
2. वेद एवं उपनिषद– ब्रह्म , आत्मा
3. चार्वाक दर्शन – तत्व मीमांसा

इकाई–2
1. जैन दर्शन – स्याद्वाद, जीव, बंधन एवं मोक्ष
2. बौद्ध दर्शन– चार आर्यसत्य, अनात्मवाद

इकाई–3
1. न्याय दर्शन – प्रमाण (प्रत्यक्ष एवं अनुमान), ईश्वर
2. वैशेषिक दर्शन– परमाणुवाद, सप्त पदार्थ

इकाई–4
1. सांख्य दर्शन – प्रकृति , पुरूष, विकासवाद
2. योग दर्शन – अष्टांग योग, ईश्वर

इकाई–5
1. शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन– ब्रह्म, आत्मा, माया
2. रामानुज का विशिष्टाद्वैत – ब्रह्म, जीव, मोक्ष

उपरोक्त समस्त संशोधन विषय की स्पष्टता व ज्ञानवर्धन को ध्यान में रखकर समिति के सभी सदस्यों की सहमति से किया गया ।

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग – एक

दर्शन शास्त्र

द्वितीय – प्रश्न पत्र

पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

इकाई–1 1. पाश्चात्य दर्शन – परिचय

2. प्लेटो– प्रत्ययों का सिद्धांत

3. अरस्तू– कारणता का सिद्धांत

इकाई–2 1. थामस एक्वीनास– ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण

2. डेकार्ट– संदेह पद्धति, आत्मा का अस्तित्व, ईश्वर का अस्तित्व

इकाई 3. 1. स्पिनोजा – द्रव्य, गुण, पर्याय

2. लाइबनित्ज– चिद्बिन्दुवाद

इकाई–4 1. जॉन लॉक– सहज प्रत्ययों का खंडन, मूलगुण एवं उपगुण

2. जॉन बर्कले – मूलगुण एवं उपगुण का खंडन, विज्ञानवाद

इकाई–5 1. ह्यूम– संस्कार और प्रत्यय, संदेहवाद, आत्मा का खंडन

2. कांट – समीक्षावाद

उपरोक्त समस्त संशोधन विषय की स्पष्टता व ज्ञानवर्धन को ध्यान में रखकर समिति के सभी सदस्यों की सहमति से किया गया ।